प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पन्त विश्वविद्यालय के कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र पर किया गया वृक्षारोपण

पंतनगर। 18 जुलाई 2024। देवभूमि उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला के अनुसरण में विश्वविद्यालय के कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र पर आज वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन ने सहजन का वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों के संयुक्त निदेशक, सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारियों के द्वारा अन्य वृक्षों के पौध रोपित किये। कार्यक्रम का आयोजन कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र के संयुक्त निदेशक डा. आशुतोष दुबे द्वारा किया। डा. अजीत सिंह नैन ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और वर्तमान समय में तापमान, में जिस तरह वृद्धि देखने को मिल रही है और उसके दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, को रोकने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाना आवश्यक है। सहजन के वृक्षारोपण से कृषि से जुड़े लोगों के लिए भी आय में अधिक वृद्धि पाने का भी यह एक बेहतर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। डा. आशुतोष दुबे ने कहा कि कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र, किसानों के आय में वृद्धि कैसे हो, इस दिशा में लगातार प्रयासरत है और कई किसान इसका आज लाभ भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पर्यावरण के लिए भी वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है और हम सभी को यह नैतिकता के आधार पर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझ वृक्षारोपण करना चाहिए। कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाऐं दी।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक, अनुसंधान डा. सुभाष चंद्रा, सह–निदेशक, अनुसंधान डा. एस.बी. भारद्वाज, सहायक अनुंसधान, निदेशक डा. अनिल यादव व अन्य शोध केन्द्रों के सयुंक्त निदेशकों में डा. ए.के. सिंह, डा. एस.के. वर्मा, डा. ललित भट्ट, डा. ए.एस. जीना, डा. एस.के. मिश्रा, डा. वी.पी. सिंह, डा. पी.के. सिंह, सहायक निदेशक डा. प्रतिभा सहित उद्यान विज्ञान विभाग की प्राध्यापक डा. रत्ना राय, कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र के अनिल यादव, मनोज शर्मा, लक्ष्मण सिंह धामी, रमेश चौहान, पवन दूबे एवं जगदीश चन्दोला सहित अन्य उपस्थित थे।

3: कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र पर वृक्षारोपण करते अधिकारी।